




आपके रोगियोंको नववर्षमे प्रोत्साहित करने हेतु दस मुद्दे

1. आपके रोगियोंको नियमित उपचार करते रहने की सलाह दे . अपने चिकित्सक एवं फार्मासिस्ट से निरंतर संपर्क में रहे, हो सकता है रोगी को दवाईयाँ एवं उपचार में बदलाव करना पड़े.
2. बढ़ता तनाव एवं बदलती जीवनशैली के चलते 30 वर्ष से अधिक उम्र वाले व्यक्तियोंने प्रतिबंधात्मक स्वास्थ्य जाँच करानी चाहिए ताकी कोई रोग होने के संदेह का पता चल सके.
3. मद्यपान एवं धूम्रपान से रोके इससे स्वास्थ्य अच्छा रहता है , .



4. धूम्रपान छोडना आसान नहीं होता किंतु छोडने से स्वयं व्यक्ती का ही नहीं संबधित सभी व्यक्तियोंकेभी जीवन की रक्षा होती है.
5. 

4. आपको ठीक भी लग रहा हो तो भी बिना स्वास्थ्य सलाहगार की राय के दवाएँ लेना बंद ना करे.
5. रोगियोंका प्रशिक्षित करे, दुसरोकी दवाई ना ले लक्षण एकसमान होने के बावजूद भी रोग अलग हो सकते है स्वयं के मन से कोई दवाएँ ना ले .
6. दवा लेने के पूर्व चिकित्सक द्वारा की गई सूचनाओंका पालन करे.
7. रोगियों द्वारा ली जाने वाली दवाओंकी सुची हमेशा साथ रखे.
8. काउंटरपर मिलनेवाली प्रिस्क्रिप्शन बिना की दवाएँ , एन्टीबायोटीक्स ना ले ऐसा रोगियोंको बताए.
9. दवा एवं उपचार के दौरान आहार कैसा हो इसका विशेष खयाल रखने की सुचना रोगियोंको देनी चाहिए.



10. सार्वजनिक स्थानोपर थुंकेसे फैलते रोगोंकी जानकारी रोगी को देनी चाहिए. वर्तमान में महाराष्ट्र में क्षयरोग से मृत को की संख्या बढ़ चुकी है. इसका प्रसार एवं फैलाव रोकने के लिए किए गए प्रयास अनेक व्यक्तियोंका जीवन बचा सकते है.